वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद
अनुसंधान भवन, 2 रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001

सीएसआईआर की अत्याधुनिक राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं/संस्थानों के नेतृत्व हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

26 सितंबर, 1942 में स्थापित वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त अनुसंधान एवं विकास संगठन है । आठ दशकों से भी अधिक समय से विभिन्न क्षेत्रों में भारत के तकनीकी-सामाजिक-आर्थिक विकास को गति प्रदान करते हुए सीएसआईआर वैज्ञानिक प्रगति और प्रौद्योगिकीय नवाचार में अग्रणी रहा है।

आज, सीएसआईआर विश्व के सबसे बड़े सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित अनुसंधान एवं विकास संगठनों में से एक है, जिसमें 37 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं, 39 आउटरीच केंद्रों, 1 नवाचार परिसर और देश भर में फैली 7 इकाइयों का एक सशक्त नेटवर्क शामिल है। यह वैज्ञानिक ज्ञान को वास्तविक दुनिया के समाधानों में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जो लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करती है। सीएसआईआर की क्षमता इसके जीवंत और बहु-विषयक मानव संसाधन आधार में निहित है, जिसमें लगभग 3500 सक्रिय वैज्ञानिक, 3800 वैज्ञानिक एवं तकनीकी कर्मचारी, एसीएसआईआर के अंतर्गत पीएचडी करने वाले लगभग 5525 रिसर्च स्कॉलरों को मिलाकर 9,000 से अधिक रिसर्च स्कॉलर शामिल हैं। यह सशक्त टीम सीएसआईआर के गतिशील अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को ऊर्जा प्रदान करती है, जिससे यह अत्याधुनिक विज्ञान को आगे बढ़ाने और अणुओं से लेकर विशाल संरचनाओं तक की प्रौद्योगिकियों को विकसित करने में सक्षम हो पाता है। सीएसआईआर ने वर्ष 2024-25 के दौरान लगभग 296 भारतीय पेटेंट और 260 विदेशी पेटेंट दायर किए। सीएसआईआर के पास 1,392 विशिष्ट पेटेंटों का एक पेटेंट पोर्टफोलियो है, जिनमें से 143 पेटेंटों का वाणिज्यीकरण हो चुका है। सीएसआईआर के पास विदेश में स्वीकृत 954 प्रभावी पेटेंट भी हैं। सम्पूर्ण विश्व में सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित अनुसंधान संगठनों में अपने समकक्षों के बीच सीएसआईआर वैश्विक रूप से पेटेंट दाखिल करने और उन्हें सुरक्षा प्रदान करने में अग्रणी है। सीएसआईआर वैश्विक वैज्ञानिक साहित्य में भारत के शीर्ष योगदानकर्ताओं में से एक है, जो प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रतिवर्ष 5,000 से अधिक समकक्ष-समीक्षित लेख प्रकाशित करता है। सार्वजनिक अनुसंधान संस्थानों में इसका एक सर्वाधिक सशक्त बौद्धिक संपदा पोर्टफोलियो भी है, जो समाज और उद्योग तक पहुँचने वाले नवाचार के प्रति सीएसआईआर की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शिमागो इंस्टिट्यूशंस रैंकिंग वर्ल्ड रिपोर्ट 2025 के अनुसार, सीएसआईआर विश्व के 2123 सरकारी संस्थानों में 74वें स्थान पर है और शीर्ष के 100 वैश्विक सरकारी संस्थानों में एकमात्र भारतीय संगठन है। इसके अतिरिक्त, 636 सरकारी संगठनों में से सीएसआईआर को अनुसंधान में 7वीं रैंक और एशिया में सामाजिक श्रेणी में 4थी रैंक प्राप्त है। सरकारी संस्थानों में सीएसआईआर समग्र अनुसंधान और सामाजिक श्रेणियों में प्रथम स्थान पर देश का नेतृत्व करता है। सीएसआईआर ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी की विभिन्न शाखाओं में प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें विकसित करने के साथ ही भारत को ज्ञान अर्थव्यवस्था में प्रवेश कराया है। सीएसआईआर को यह गौरव प्राप्त है कि भारत के माननीय प्रधान मंत्री उसकी सोसायटी के अध्यक्ष के रूप में पदस्थ हैं। सीएसआईआर ने इस अवधि में अनेक प्रौद्योगिकियों का विकास किया है और वर्तमान में देश के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए विभिन्न अत्याधुनिक प्रौद्योगिकीय मोर्चों पर काम कर रहा है।

सीएसआईआर अपनी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं/संस्थानों के नेतृत्व के लिए उत्कृष्ट अनुसंधान एवं विकास

प्रोफेशनल्स से आवेदन आमंत्रित करता है। यह विज्ञापन सीएसआईआर-केंद्रीय नमक व समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीएसएमसीआरआई), भावनगर और सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीआईएमएपी), लखनऊ के निदेशकों के पदों के लिए है, जिसमें वेतन मैट्रिक्स (1,82,200- 2,24,100 रुपये) के स्तर 15 में स्वीकार्य भत्ते शामिल हैं। इनका विवरण इस प्रकार हैं:

रसायन विज्ञान

सीएसआईआर- केंद्रीय नमक व समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीएसएमसीआरआई), भावनगर, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के अंतर्गत एक अग्रणी प्रयोगशाला है और इसका उद्घाटन 10 अप्रैल, 1954 को प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा किया गया था। यह नमक, समुद्री रसायन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान और पर्यावरण अनुकूल रसायन विज्ञान में अनुसंधान हेतु भारत के अग्रणी केंद्र के रूप में कार्य करता है।

अपने प्रॉसेस डिज़ाइन और इंजीनियरिंग प्रभाग के लिए प्रसिद्ध सीएसएमसीआरआई ने अपशिष्ट से संपदा तक की नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास किया है। इनमें डिस्टिलरी अपशिष्टों से पोटाश प्राप्त किए जाने हेतु एक वाणिज्यिक 60 केएलपीडी संयंत्र, कपड़ा रंग बहि:स्राव उपचार, कार्बोनेट और सल्फेट पृथक्करण, और आयोडीन-फोर्टिफाइड टेबल सॉल्ट के उत्पादन की प्रक्रियाएँ शामिल हैं। संस्थान ने कई अग्रणी प्रौद्योगिकियां प्रदान की हैं जैसे घरेलू इलेक्ट्रोडायलिसिस विलवणीकरण प्रणालियां, नवीन आयोडीनीकरण एजेंट, अल्प सोडियम नमक विकल्प, और पॉलिमर-ग्रेफाइट मिश्रित इलेक्ट्रोड।

सीएसएमसीआरआई के सहयोगात्मक प्रयासों और अनुप्रयुक्त अनुसंधान ने सामाजिक और औद्योगिक प्रासंगिकता वाली प्रौद्योगिकियों को जन्म दिया है। संस्थान का अनुप्रयुक्त शैवाल विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग, समुद्री शैवाल की स्थायी खेती, विशेष रूप से *कप्पाफाइकस अल्वारेज़ी* और जैव-उत्तेजक, कैरेजेनन व पशु आहार में इसके रूपान्तरण के सम्बन्ध में देश का नेतृत्व करता है। इस अनुसंधान के परिणामस्वरूप 20 राज्यों की फसलों में 11-37% तक सुधार हुआ है जिससे तटीय समुदायों के आर्थिक उत्थान में योगदान मिला है।

सीएसएमसीआरआई विकेंद्रीकृत सीवेज-उपचार आर्द्रभूमि जैसे पर्यावरणीय समाधान प्रदान करने में भी संलग्न है और सूक्ष्म शैवाल विविधता एवं जैव-प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों पर व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। अनुप्रयुक्त अनुसंधान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और सामुदायिक विकास के अपने संयोजन के माध्यम से सीएसआईआर-सीएसएमसीआरआई सतत नवाचार को बढ़ावा देने, तटीय आजीविका को बढ़ाने और एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रभाव बनाने का कार्य जारी रखे हुए है।

संस्थान के विषय में अधिक जानकारी के लिए कृपया https://www.csmcri.org वेबसाइट देखें।

जीव विज्ञान

सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीएसआईआर-सीआईएमएपी), लखनऊ औषधीय एवं सगंध पौधों (एमएपी) के क्षेत्र में व्यापक अनुसंधान एवं विकास के लिए समर्पित एक प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान है। एक विशिष्ट संस्थान के रूप में सीएसआईआर-सीआईएमएपी आनुवंशिक सुधार और किस्म विकास से लेकर उन्नत कृषि-प्रौद्योगिकियों और मूल्यवर्धित उत्पाद निर्माण तक संपूर्ण अनुसंधान एवं नवाचार करता है। संस्थान ने विविध कृषि-

जलवायु क्षेत्रों के लिए अनुकूलित अनेक उच्च उपज वाली पादप प्रजातियों और कृषि सम्बन्धी प्रोटोकॉल का सफलतापूर्वक विकास एवं प्रसार किया है। यह सगंधीय तेलों, प्राकृतिक रंगों, गोंद और अन्य जैवसक्रिय उत्पादों से संबंधित प्रौद्योगिकियों में भी अग्रणी है जिससे भारत के एमएपी क्षेत्र का आर्थिक मूल्य और वैश्विक स्थिति बढ़ती है।

सीएसआईआर-सीआईएमएपी का बहु-विषयक अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र कृषि विज्ञान, मृदा विज्ञान, पादप जैव प्रौद्योगिकी, आणविक जैव-पूर्वेक्षण, फसल संरक्षण, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन तथा औषधीय रसायन विज्ञान में विशेषज्ञता को एकीकृत करता है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पेटेंटों का एक सुदृढ़ पोर्टफोलियो इन प्रयासों की पुष्टि करता है। अपनी शोध उपलब्धियों के अलावा, सीएसआईआर-सीआईएमएपी ने किसानों, उद्यमियों और उद्योग जगत के प्रोफेशनल्स को प्रशिक्षित करके मानव संसाधन विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस क्षमता निर्माण पहल ने एमएपी-आधारित जैव-अर्थव्यवस्था के सतत विकास हेतु एक कुशल एवं जनित राष्ट्रीय संसाधन आधार को बढ़ावा दिए जाने में सहायता की है।

संस्थान के विषय में अधिक जानकारी के लिए कृपया https://www.cimap.res.in वेबसाइट देखें।

<u>अर्हता, अनुभव एवं आयु</u> : -

अनिवार्य अर्हता :

रसायन विज्ञान: प्राकृतिक विज्ञान में पीएच.डी. अथवा इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर डिग्री (इंजीनियरिंग के लिए पीएचडी वांछनीय है)।
जीव विज्ञान: प्राकृतिक विज्ञान में पीएच.डी. अथवा इंजीनियरिंग/स्वास्थ्य/चिकित्सा विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री (इंजीनियरिंग के लिए पीएच.डी. वांछनीय है)।

आयु: 45 वर्ष अथवा उससे अधिक किन्तु 56 वर्ष से अधिक नहीं।

अनुभव: प्रयोगशाला/संस्थान/केंद्र की गतिविधियों के क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास (ट्रांसलेशनल रिसर्च पर फोकस सहित) में कम से कम 16 वर्ष का अनुभव और उसके अंतर्गत नेतृत्व में उत्कृष्टता का प्रदर्शन।

अनुभव के वर्षों की गणना उम्मीदवार के अनुसंधान कैरियर की शुरुआत से की जाएगी।

छूट: महानिदेशक, सीएसआईआर के अनुमोदन से असाधारण रूप से मेधावी उम्मीदवारों के मामले में अर्हता, आयु और अनुभव में छूट दी जा सकती है।

उम्मीदवार: उम्मीदवर रचनात्मक, नवोन्मेषी और सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक/प्रौद्योगिकीविद हो, जिसमें उत्कृष्ट पारस्परिक संबंधों के साथ बहुविषयक अनुसंधान एवं विकास टीमों के प्रबंधन की सिद्ध क्षमता हो। उम्मीदवार ने बौद्धिक सम्पदा और प्रकाशनों के सृजन के अतिरिक्त प्रौद्योगिकी विकास के संदर्भ में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो। वह उच्च श्रेणी के अनुसंधान और विकास को बढ़ावा दिए जाने हेतु अनुकूल वातावरण बनाने में सक्षम हो।

जिम्मेदारियां: निदेशक संस्थान के कर्मचारियों का पर्यवेक्षण करेगा एवं उन पर प्रशासनिक नियंत्रण रखेगा तथा (i) संस्थान के मिशन को साकार करने, और (ii) सामाजिक/औद्योगिक प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए

प्रयोगशाला/संस्थान के नवाचार व उच्च श्रेणी के अनुसंधान एवं विकास तथा अन्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण बनाने हेतु जिम्मेदार होगा।

नियुक्ति: निदेशक के पद पर नियुक्ति छह वर्ष की अवधि अथवा अधिवार्षिता तक, जो भी पहले हो, वेतन मैट्रिक्स के

स्तर 15 (1,82,200- 2,24,100 रुपये) में स्वीकार्य भत्तों के साथ की जाएगी। कार्यकाल की अवधि केवल असाधारण मामलों में ही नवीनीकृत की जाएगी। निदेशक को नियमों के अनुसार सीएसआईआर में निदेशक ग्रेड वैज्ञानिक अर्थात वैज्ञानिक 'एच'/उत्कृष्ट वैज्ञानिक के रूप में अवशोषित किए जाने/स्थानन के लिए विचार किया जा सकता है।

लाभ: मौजूदा नियमों के अनुसार बाह्य अनुबंध अनुसंधान एवं विकास, परामर्श और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सेवाएं प्रदान करने से प्राप्त धन को साझा करने का प्रावधान भी उपलब्ध है। नियमानुसार आवासीय सुविधा और परिवहन प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त, सीएसआईआर नियमों के अनुसार चिकित्सा और अन्य सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

आवेदन कैसे करें: पद के लिए आवेदन/नामांकन विस्तृत बायो-डेटा के साथ वैज्ञानिक और ट्रांसलेशनल योगदानों पर प्रकाश डालते हुए प्रकाशनों/पेटेंट आदि की सूची के साथ ईमेल आईडी **drc.hqrs@csir.res.in** पर ईमेल के माध्यम से अथवा निदेशक भर्ती प्रकोष्ठ, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), अनुसंधान भवन, 2, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 को डाक द्वारा भेजें। नीचे दिए गए प्रोफ़ॉर्मा में संक्षिप्त बायो-डेटा भी भेजें। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख **20 सितंबर 2025** है।

बायो डेटा हेतु प्रारूप

1. प्रयोगशाला का नाम जिसके लिए आवेदन/नामांकन किया गया है:
2. नाम:
3. जन्म की तारीख:
4. वर्तमान पद एवं पता:
5. शैक्षणिक अर्हता:
6.

क्रम सं.	डिग्री/प्रमाणपत्र	उत्तीर्ण होने का वर्ष	विश्वविद्यालय/संस्थान	विषय

7. शैक्षणिक/अनुसंधान अनुभव/सेवा नियोजन

क्रम सं.	से	तक	संगठन का नाम	धारित पद

8. विशेषज्ञता के क्षेत्र:
9. प्राप्त सम्मान/पुरस्कार/मान्यताएं:
10. व्यावसायिक संबद्धताएं:

11.

(क) लोकप्रिय लेखों सहित शोध प्रकाशनों की सूची, यदि कोई हो;

(ख) वर्तमान विशेषज्ञता क्षेत्र के लिए प्रासंगिक पिछले 10 वर्षों में सर्वोत्तम व्यावसायिक

आउटपुट/परिणामों की सूची;

(ग) विशेषज्ञता के क्षेत्र में योगदानों सम्बन्धी मुख्य बातें

12. * लिखी गई/संपादित पुस्तकों की संख्या:

13.

क) स्वीकृत/आवेदित पेटेंटों/कॉपीराइट्स/ट्रेड मार्क/आईपीआर की संख्या और ट्रांस्लेशनल रिसर्च सम्बन्धी योगदानों की मुख्य विशेषताएं:

ख) विकसित, लाइसेंसीकृत और/अथवा वाणिज्यीकृत प्रौद्योगिकियाँ, विवरण सहित।

14. पर्यवेक्षित शोध प्रबंध:

क) पीएच.डी.

ख) स्नातकोत्तर

15. सीएसआईआर-सीएसएमसीआरआई/सीएसआईआर-सीआईएमएपी के प्रमुख के रूप में अपने दृष्टिकोण (विजन) का 1-2 पृष्ठ का सारांश

16. उच्च प्रतिष्ठा वाले 5 पेशेवर रेफरियों की सूची जिनके साथ उम्मीदवार ने विगत में बातचीत की हो।

मैं एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि उपर्युक्त समस्त सूचना मेरी जानकारी के अनुसार सत्य है।

आवेदक के हस्ताक्षर

तारीख:

स्थान:

---

* विवरण अलग से संलग्न किया जाए

आवेदकों से यह भी अनुरोध है कि वे नीचे दिए गए प्रो-फॉर्मा को वर्ड फाइल प्रारूप में भरें और उसे संबंधित पदों के लिए अपने आवेदन के साथ भेजें:

नाम , पता और जन्म तिथि	अर्हता एवं विशेषज्ञता	अनुभव (कालानुक्रमिक क्रम में)	सम्मान/ पुरस्कार	प्रकाशन/पेटेंट आदि की संख्या	05 रेफरियों की सूची